श्री पार्वती जी की आरती

जय पार्वती माता जय पार्वती माता, ब्रह्म सनातन देवी शुभ फल कदा दाता ।

अरिकुल पदा विनासनि जयसेवक त्राता, जग जीवन जगदम्बा हरिहर गुण गाता । जय

सिंह को वाहन साजे कुण्डल है साथा, देव वधू जहं गावत नृत्य करत ता था । जय

सतयुग शील सुसुन्दर नाम सति कहलाता, हेमाचंल घर जन्ती सखियल रंगराता । जय

शुम्भ निशुम्भ विरादे हेमाचंल स्याता, सहस भुजा तनु धरिके चक्र लियो हाता । जय

सृष्टि रुप तुही जननी शिव संग रंगराता, नन्दी भृंगी बीन लही सारा मदमाता । जय

देवन अरज करत हम चित को लाता, गावत दे दे ताली मन मे रंगराता । जय

श्री प्रातप आरती मैया की जो कोई गाता, सदा सुखी रहता सुख सम्पति पाता । जय

www.totalbhakti.com